केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 148 शनिवार 21 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पोषण समिति की बैठक में डीएम ने दिये निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है कि नये वजन मशीन क्रय किए जाने हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से कार्यवाही करें। इसके साथ ही जो मशीन खराब अवस्था में है उसे सही कराया जाय। उन्होने कहा कि हॉट कुक्ड मील योजना के अन्तर्गत जिन केन्द्रों पर बजट प्राप्त हो गया है, समिति द्वारा सर्व सहमति से बर्तन क्रय किया जाय। उन्होने सैम व मैम बच्चों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि ई–कवच पोर्टल पर रिपोर्ट को हमेंशा अद्यतन रखा जाय।

लर्निंग लैब की समीक्षा करते हुए उन्होने पाया कि चयनित 75 केन्द्रों के सापेक्ष 39 लर्निंग लैब पूर्ण तथा शेष 36 केन्द्र अपूर्ण पाये जाने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होने कहा कि पीएफएमएस पोर्टल पर आधार व मोबाइल नम्बर का सत्यापन की जो पेण्डेंसी है उसे तत्काल पूर्ण कराया जाय। बैठक में सीडीओ जयदेव सी.एस., सीएमओ डा. आर.एस.दुबें, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, डीपीआरओ रतन कुमार, बेसिक शिक्षाधिकारी अनूप तिवारी, समस्त बीडीओ व सीडीपीओ तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

किसान मेला 23 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर 23 दिसम्बर को 10 बजे से किसान सम्मान दिवस एवं किसान मेला का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, बस्ती पर किया जायेंगा। यह जानकारी सीडीओ ने दी है।

प्रधानाचार्य परिषद का धरना 23 को: सम्पर्क तेज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद प्रधानाचार्यो की लम्बित मांगों के निस्तारण तक संघर्ष के संकल्पबद्ध है। सफलता सुनिश्चित कराने के लिए ही संगठन का शीर्ष नेतृत्व चरणबद्ध कार्यक्रमों के जरिए लगातार प्रयासरत है। मांगों को पूरा कराने के लिये 23 दिसंबर को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर दोपहर 1 बजे से धरना दिया जाएगा।

शिवहर्ष किसान इंटर कालेज बस्ती में आयोजित संगठन की बैठक में संरक्षक मार्कण्डेय सिंह,डा संजय सिंह,डा. घनश्याम श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार लगातार परिषद की 14 सूत्रीय मांगों के निस्तारण का आश्वासन दे रही है। लेकिन उच्चाधिकारियों की शिथिलता के कारण सहमति के बावजूद अभी तक कक्षा 9 व 11के पंजीकरण शुल्क में से विद्यालयों को उनका अंश नहीं मिल पाया। जिलाध्यक्ष योगेश शुक्ल, मंत्री डॉ. हरेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. मनोज सिंह,डॉ. के0डी0द्विवेदी, मनोज कुमार सिंह,कोषाध्यक्ष विद्याधर वर्मा ने कहा कि सहमति के बावजूद अब तक तदर्थ प्रधानाचार्यों का विनियमितिकरण आदेश न जारी होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। परिषद की प्रमुख मांगों में यह भी शामिल हैं कि कक्षा 6 से 8 तक के छात्र छात्राओं की शुल्क की प्रतिपूर्ति के रूप में विद्यालयों को आर्थिक सहायता दी जाय। लम्बित मांगों के निस्तारण के लिए चलाए जा संघर्ष की कड़ी में ही 23 दिसंबर को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर दोपहर 1 बजे से धरना दिया जाएगा। कार्यकारी अध्यक्ष आज्ञाराम चौधरी,उपाध्यक्ष डा सुरभि सिंह, संजय द्विवेदी संयुक्त मंत्री डा प्रमोद उपाध्याय, सर्वेन्द्रनाथ द्विवेदी, चन्द्रमा कौशिक पाण्डेय,सतीश रंजन सिंह ने कहा कि प्रदेश के प्रधानाचार्यो व शिक्षकों भी केंद्र की भांति चिकित्सा सुविधा सहित अन्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। बैठक में रामपूजन सिंह,वीरेंद्र सिंह,कौशलेंद्र मिश्र, दिनेश वर्मा, विजय कुमार, विनोद प्रकाश वर्मा,संतोष पाण्डेय,राजित राम वर्मा सुधीर कुमार,विनय तिवारी,राकेश शर्मा उपस्थित रहे।

संभल में एएसआई की टीम ने किया सर्वे

मुरादाबाद (आभा)। संभल के मुस्लिम इलाके में 46 साल बाद खुले कार्तिक महादेव मंदिर का पुरातात्विक विभाग (एएसआई) ने सर्वे शुरू कर दिया है। शुक्रवार को चार सदस्यीय टीम मंदिर का सर्वे करने पहुंची। इस टीम ने मंदिर के साथ ही यहां के 5 तीर्थों और 19 कुओं की भी जांच की है। यह सर्वेक्षण कई घंटे तक चला है। फिलहाल कुल 24 क्षेत्रों का सर्वे

किया गया है। इसकी रिपोर्ट जल्द ही डीएम राजेंद्र पैसिया को सौंपी जाएगी। डीएम ने भी मंदिर मिलने के बाद इसका एएसआई से सर्वे का फैसला लिया था। डीएम ने तब बताया था कि यह मंदिर 1000 साल पुराना हो सकता है।

शुक्रवार को डीएम डॉ राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि 4 सदस्यीय टीम ने सर्वे किया है। संभल में 5 तीर्थो और 19 कुओं की ीप द्वारा निगरानी की गई। जो नया मंदिर मिला है उसकी भी निगरानी की गई। सर्वेक्षण 8–10 घंटे चला है। जो प्राचीन मंदिर खुला था उसका भी सर्वेक्षण किया गया। एएसआई अपनी रिपोर्ट हमें सौंपेगी। कुल 24 क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया गया।

उन्होंने बताया कि इन सभी जगह की पैमाइश हमने पहले ही करा ली थी लेकिन एएसआई ने शुक्रवार को सर्वेक्षण किया।

सुभासपा की बैठक में पदाधिकारियों की घोषणा:त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तैयारियों पर बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी 'सुभासपा' जिला संगठन के सभी अध्यक्षों, ब्लाक, विधानसभाध्यक्षों की बैठक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री रामललित चौधरी के निज आवास रोडवेज के निकट सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान चलाने और आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के दौरान शिव प्रताप सिंह को पूर्वान्चल प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष, उमेश राजभर को प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच, राकेश सैनी जिला उपाध्यक्ष, करूणानिधि राय को सिद्धार्थनगर जनपद का जिलाध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा की गई।

बैठक को पूर्व राज्यमंत्री रामललित चौधरी, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष वृजभूषण मिश्र, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील पाण्डेय, सदस्यता अभियान प्रभारी डॉ. तुलसीराम राजभर, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार राजभर, मंत्री प्रतिनिधि अमन राजभर आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि पार्टी की मजबूती से ही राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक अवसर प्राप्त होंगे। इसके लिये सदस्यता अभियान की निरन्तरता बनाये रखना होगा। पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मजबूती से उतरेगी और जिला पंचायत चुनाव में भी प्रत्याशी उतारेगी। बैठक में सुमन चौधरी के साथ अनेक लोगों ने पार्टी की सदस्यता लिया।

सुभासपा की बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रमुख महासचिव राजेश राजभर, दीपक यादव, रामललित राजभर, सत्येन्द्र शुक्ल, प्रमोद चौधरी, जगराम चौधरी, राम प्रीत राजभर, आशीष राजभर, कृष्ण कुमार राजभर, रामदास राजभर, लक्ष्मी देवी राजभर, प्रभावती देवी, रामपाल राजभर, रामशव्द, ओम प्रकाश शुक्ल, जय प्रकाश राजभर, परशुराम चौधरी, धर्मजीत पाण्डेय, अशोक कुमार गौतम, अन्नू राजभर के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर पंचायत नगर के स्थापना दिवस पर 37 परियोजनाओं का शिलान्यास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत नगर का स्थापना दिवस धूम धाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और द्वीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री आवास के 750 लाभार्थियों को स्वामित्व प्रमाण पत्र और कंबल वितरित किया गया। नगर पंचायत के दो सफाई नायक और 10 सफाई कर्मी सम्मानित किए गए। नगर पंचायत कर्मियों द्वारा अध्यक्ष और सभासदों को सम्मानित किया गया।श्रीमती राना ने 37 परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुए कहा कि नगर को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करना हमारा उद्वेश्य है। उन्होंने सभी पन्द्रह वार्डों के निरन्तर विकास की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पात्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा। सर्व समाज का सम्मान और गरीबों का उत्थान हमारी प्राथमिकता है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आदर्श नगर पंचायत जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरे हम सब ऐसा प्रयास करें। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी, तत्कालीन सांसद श्री हरीश द्विवेदी और पूर्व विधायक रवि सोनकर को वर्ष 2020 में नगर पंचायत गठन कराने के लिए आभार जताया। इस अवसर पर आकांक्षी योजना की सी एम फेलो मोनिका झा, भाजपा नेता परमानन्द सिंह जगदीश पांडेय , रजनीश गुप्ता, दिलीप शर्मा, चन्द्र मणि मिश्रा, माधुरी सिंह,प्रेम प्रकाश चौधरी, मोहंती दूबे, डॉ अनिल श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव ,बिपिन पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, सभासद राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी, सत्यराम निषाद, दिनेश चौरसिया, अखिलेश यादव, राम सजन यादव,वीरेन्द्र साहनी, वीरेंद्र कुमार, विजय जायसवाल, बिंदू लाल, यशराज के के, संजय सोनकर, तुलसीराम, सुनील कुमार,नियाज अहमद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

समाजवादियों ने बाबा साहब प्रतिमा तक निकाला कैन्डिल मार्च :गृह मंत्री अमित शाह के त्यागपत्र की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । संसद में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारत रत्न बाबा साहब को अपमानित किये जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी नगर अध्यक्ष मो. युनूस आलम के संयोजन में शहीदे आजम भगत सिंह की रोडवेज तिराहे पर स्थित प्रतिमा से कटेश्वर पार्क स्थित बाबा साहब की प्रतिमा तक कैन्डिल मार्च निकाला गया। हाथों में बाबा साहब का चित्र और मोमबत्तियां लिये समाजवादी मांग कर रहे थे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गृह मंत्री अमितशाह को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमण्डल से बर्खास्त करें।

बाबा साहब प्रतिमा पर कैन्डिल मार्च के समापन के बाद सपा नगर अध्यक्ष मो. युनूस आलम ने कहा कि बाबा साहब गरीबो, दलितों, वंचितों के लिये भगवान है। उनका अपमान करके गृह मंत्री ने देश के करोड़ो दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों का मन दुखाया है। देश की जनता इसे क्षमा नहीं करेगी। सपा जिला उपाध्यक्ष राम सिंह यादव ने कहा कि गृह मंत्री अमितशाह देश की जनता से माफी मांगे। बाबा साहब का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

कैन्डिल मार्च में मुख्य रूप से अरविन्द सोनकर, दिनेश तिवारी, प्रशान्त यादव, भोला पाण्डेय, संदीप मिश्रा, महेश तिवारी, आमिश खान, मो. हारिश, रजनीश यादव, अजय यादव, सुशील यादव, मो. सलीम, लवकुा यादव, अनिल यादव, आशुतोष श्रीवास्तव, राहुल सोनकर, विशाल सोनकर, सन्तोष वर्मा, संजय गौतम, रहमत अली, एजाज भाई, रवि गुप्ता, शमशाद अहमद, इमरान अली, सलमान, जितेन्द्र यादव, राजमणि यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

बाबा साहब पर टिप्पणी को लेकर आक्रोश, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक संगठनों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । केन्द्रीय गृह मंत्री अमितशाह द्वारा सदन में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के प्रति दिये गये भाषणों को लेकर आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को दलित समाज के प्रमुख समाजसेवी उदयभान के नेतृत्व में दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक समाज के अनेक संगठनों ने संयुक्त रूप से शान्ति पूर्वक प्रदर्शन करने के बाद जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि बाबा साहब के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने वाले गृह मंत्री अमितशाह को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद उदयभान ने कहा कि बाबा साहब व्यक्ति नहीं महामानव है। उनके प्रयास का ही परिणाम है कि देश के अनेक हिस्सों में उनकी प्रतिमा स्थापित कर उन्हें भगवान की तरह पूजा जाता है। कहा कि भारतीय जनता पार्टी कभी बाबा साहब के सिद्धान्तों को मानने वाली नहीं रही। आखिरकार गृह मंत्री अमितशाह की जुबान पर

–गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त करने की मांग

सच आ ही गया। कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में जरा भी नैतिकता हो तो तत्काल प्रभाव से अमितशाह को मंत्रिमण्डल से बर्खास्त करें अन्यथा बाबा साहब के करोड़ो अनुयायी कभी भाजपा को क्षमा नहीं करेंगे।

शुक्रवार को दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक समाज के अनेक संगठनों के पदाधिकारी, नेता महान संत गाडगे की प्रतिमा पर पहुंचे और परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें नमन् करने के बाद हाथों में बाबा साहब का चित्र लिये नारा लगाते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे। ज्ञापन के बाद साधूशरन आर्य, दिवान चन्द पटेल, जे.पी. राव, रामशंकर निराला, शिव कुमार, गौरीशंकर, हरीश, राम अनुज भाष्कर, शिवराम कन्नौजिया, बनवारीलाल कन्नौजिया, कमलेश सचान आदि ने कहा कि बाबा साहब का अपमान एक व्यक्ति नहीं ऐसे महामानव का अपमान है जिन्होने सदियों से सताये गये उपेक्षित समाज को आत्मनिर्भरता का रास्ता बताते हुये शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो की शक्ति दिया। उनका अपमान किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नही है।

प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से मो. रफीक खा, बुद्धि प्रकाश, राम प्रसाद आर्य, कृपाशंकर गौतम, अनिल आजाद, अमित कुमार, राम कुमार, शिव गणेश, सोनू राव, अश्विनी कुमार, संदीप कुमार, विश्राम राव, मोलई प्रसाद, अवधेश सिंह, मंजू पाण्डेय, आनन्द बौद्ध, शशिकान्त, मनीष कुमार, माता प्रसाद, परमात्मा प्रसाद चौधरी, डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद चौधरी, डॉ. राजेन्द्र बौद्ध, रमेश चन्द्र गौतम, हरीराम, श्रीमती सरोज गौतम, रेनू बाला, का. रामलौट, अखिलेश गौतम, अजय आजाद, मूलचन्द, अशोक निरंकारी, महबूब आलम, राम निरंजन राना, अशोक कुमार बौद्ध, महेन्द्र कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, बांकेलाल, राम आशीष मौर्य, मंगल सिंह राव, रामशंकर आजाद, संतराम आर्य, श्रवण कुमार, अश्विनी राज, अजय राज, राम कुमार, हरिश्चन्द्र के साथ ही हजारों की संख्या में जनपद के विभिन्न हिस्सों से आये लोग शामिल रहे।

जंगल से 10 करोड़ कैश, 52 किलो सोना बरामद

भोपाल (आभा)। भोपाल के जंगल में मिले करीब 10 करोड़ कैश और 52 किलो सोने के 'धनकुबेर' मालिक का पता चल गया है। सूत्रों के मुताबिक, सोने और कैश का मालिक आरटीओ का पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा है। लोकायुक्त छापे में उसके घर से भी भारी मात्रा में कैश, गहने और संपत्तियों

के कागजात मिले हैं। पता चला है कि जिस बिल्डर सीएस गौर के नाम पर कार रजिस्टर्ड है वह सौरभ शर्मा का पार्टनर है। इससे पहले लोकायुक्त पुलिस ने परिवहन विभाग के पूर्व कर्मचारी सौरव शर्मा के ठिकानों छापे के दौरान दो करोड़ 85 लाख रुपए कैश, एक करोड़ रुपए मूल्य के सोने, चांदी के गहने और अनेक अचल संपत्ति में निवेश संबंधी दस्तावेज जप्त किए थे।

फीस बढोत्तरी को कम किये जाने की मांग को लेकर बस्ती मेडिकल कालेज के छात्रों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को महर्षि वशिष्ठ स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय बस्ती मेडिकल कालेज पैरा मेडिकल बैच के छात्रों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर फीस बढोत्तरी को कम किये जाने की मांग किया। नेतृत्व करते हुये राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल महासचिव ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने कहा कि छात्रों की मांग जायज है और मनमानी फीस की वसूली बंद किया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि पैरा मेडिकल बैच 2022–23 द्वितीय वर्ष के प्रवेश के सम्बन्ध में नोटिस जारी किया गया था जिसमें बढी हुई फीस 36850 रूपये का विवरण दिया गया है। स्टेट मेडिकल फैक्ल्टी द्वारा

बढी हुई फीस 2023 से लागू किया गया था। 2023 बैच की फीस 24000 हजार रूपये निर्धारित है। छात्रों ने ज्ञापन दिया कि उनसे 24000 हजार रूपये निर्धारित फीस ही लिया जाय।

फीस बढोत्तरी को कम किये जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने वालों में बृजेश पटेल, ज्योति गौतम, सतीश गुप्ता, वृजलाल मौर्या, सौम्या पाण्डेय, निखिल उपाध्याय, रूद्र पाण्डेय, चांदनी कुमारी, प्रिया राव, सीमा, श्वेता, प्रदीप शुक्ल, निशा चौधरी, दिव्या साहू, पूजा पटेल, वर्तिका कुमारी, आकाश चौधरी, विशाल कुमार, सत्येन्द्र सिंह, आकाश पाण्डेय, अजमत अंसारी, काजल गुप्ता, अंजनी, आदि शामिल रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये महान संत गाडगे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महान संत गाडगे बाबा को उनके 69 वें पुण्य तिथि पर याद किया गया। शुक्रवार को महामानव राष्ट्रीय संत गाडगे एवं संत रविदास कल्याण मिशन के जिलाध्यक्ष बनवारीलाल कन्नौजिया के संयोजन में अनेक संगठनों, राजनीतिक दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओंने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर योगदान पर चर्चा किया।

मिशन के अध्यक्ष बनवारीलाल कन्नौजिया ने कहा कि आधुनिक भारत को जिन महापुरूषों पर गर्व होना चाहिए, उनमें राष्ट्रीय संत गाडगे बाबा का नाम सर्वोपरि है। संत गाडगे महाराज कहते थे कि शिक्षा बड़ी चीज है। उनक कहना था कि 'पैसे की तंगी हो तो खाने के बर्तन बेच दो, औरत के लिए कम दाम के कपड़े खरीदो, टूटे–फूटे मकान में रहो पर बच्चों को शिक्षा दिए बिना न रहो।' संत गाडगे महाराज ने अंधविश्वास से बर्बाद हुए समाज को सार्वजनिक शिक्षा और ज्ञान प्रदान किया।

संरक्षक शिवराम कन्नौजिया, विश्राम राव, उमाशंकर गौतम, राजू कन्नौजिया, उदयभान, हीरालाल वरूण, बुद्धि प्रकाश, राम नरेन्द्र, आर.के. आनन्द, शिवपूजन, साधूशरन आर्य आदि ने कहा कि मानवता के सच्चे हितैषी, सामाजिक समरसता के द्योतक यदि किसी को माना जाए तो वे थे संत गाडगे। बाबा गाडगे का जन्म 23 फरवरी 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के अंजनगांव सुरजी तालुका के शेड्गाओ ग्राम में एक धोबी परिवार में हुआ था। उनका पूरा नाम देबूजी झिंगरजी जानोरकर था। वह एक घूमते फिरते सामाजिक शिक्षक थे। गाडगेबाबा सिर पर मिट्टी का

कटोरा ढककर और पैरों में फटी हुई चप्पल पहनकर पैदल ही यात्रा किया करते थे। और यही उनकी पहचान थी।

रामशंकर निराला, राम निरंजन राना, जवाहरलाल, कमलेश सचान, राजेन्द्र कन्नौजिया, राधेश्याम, विजय कुमार कन्नौजिया, विजय कुमार, अनिल कुमार आदि ने कहा कि गाडगेबाबा जब भी किसी गांव में प्रवेश करते, तो तुरंत ही गटर और रास्तों को साफ सफाई करने लगते। और जब उनका यह काम खत्म हो जाता खुद लोगों को गांव के साफ होने की बधाई भी देते थे। गांव के लोग गाडगे बाबा जो पैसे भी देते थे। बाबा उन पैसो का उपयोग निस्वार्थ भाव से सामाजिक विकास और समाज का शारीरिक विकास करने में लगाते थे। वह लोगों से मिले हुए पैसों से महाराज गांवों में स्कूल, धर्मशाला, अस्पताल और जानवरों के निवास स्थान बनवाते थे।

गाडगे बाबा गांवों की सफाई करने के बाद शाम में कीर्तन का आयोजन भी करते थे। वह कीर्तनों के माध्यम से जन–जन तक लोकोपकार और समाज कल्याण का प्रसार करते थे। बाबा अपने कीर्तनों के माध्यम से लोगों को अन्धविश्वास की भावनाओं के विरुद्ध शिक्षित करते थे। गाडगेबाबा समाज में चल रही जातिभेद और रंगभेद की भावना को नहीं मानते थे। वे समाज में शराबबंदी करवाना चाहते थे।

गाडगे महाराज लोगो को कठिन परिश्रम, साधारण जीवन और परोपकार की भावना का पाठ पढ़ाते थे और हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करने को कहते थे। उन्होंने अपनी पत्नी और अपने बच्चों को भी इसी राह पर चलने को कहा। संत गाडगे महाराज लोगों को जानवरों पर अत्याचार करने से रोकते थे और और लोगों के इसके खिलाफ जागरूक भी करते थे। गाडगे महाराज ने 20 दिसंबर 1956 अपना देह छोड़ दिया। लेकिन आज भी सबके दिलों में उनके विचार और आदर्श जिंदा हैं।पुण्य तिथि पर संत गाडगे को नमन् करने वालों में सीताराम, मूलचन्द, डा. विजय कुमार गौतम, धर्मेन्द्र, अशोक लाल, डा. राम प्रकाश सुमन, सीताराम भाष्कर, प्रशान्त कुमार भारती, अक्षय कुमार, जगदीश शर्मा, भोलेनाथ, रामचेत, प्रवीण कुमार, जियालाल कन्नौजिया, रविशंकर, राजन कन्नौजिया, अनुराग आदि शामिल रहे।

एचआईवी, एड्स उन्मुखीकरण कार्यशाला में विकास खण्ड स्तर पर प्रशिक्षण पर जोर: डीएम ने दिया निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ0प्र0 राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, लखनऊ के सहयोग से जिला एड्स नियंत्रण समिति एवं दिशा यूनिट बस्ती के संयुक्त तत्वाधान में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में मेनस्ट्रीमिंग के अंतर्गत एचआईवी, एड्स विषय पर जनपद स्तर पर उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया ।

कार्यशाला का संचालन कर रहे अखिलेश सिंह कलस्तर प्रोग्राम मैनेजर ने बताया कि इस कार्यशाला में जनपद के विभिन्न विभागों के सहयोग से अति संवेदनशील विकास खण्ड को चिन्हित कर बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविकाओं, ब्लाक स्तरीय सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहू, आशा संगिनी, ए0एन0एम0, ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी तथा प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा ।

ग्रामीण विकास सेवा समिति के सचिव अंबुज कुमार यादव ने एचआईवी/एड्स अधिनियम, 2017 पर चर्चा करते हुए सम्पूर्ण धाराओं से लोगों को अवगत कराया तथा बताया कि यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम

का उल्लंघन करता है तो कम से कम 3 माह का कारावास जिसे 02 साल तक बढ़ाया जा सकता है एवं 1 लाख तक का जुर्माना अथवा दोना हो सकता है।

चिकित्साधिकारी डॉ. रमाशंकर दूबे ने कार्यशाला के दौरान बताया कि जनपद स्तर पर विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर एचआईवी/एड्स मुक्त उत्तर प्रदेश बनाने के साथ ही एचआईवी संक्रमितों के प्रति सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बस्ती जनपद के 05 विकास खण्डों में मेनस्ट्रीमिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

कार्यशाला के दौरान प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला महिला चिकित्सालय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने एचआईवी/एड्स विषय पर विस्तृत जानकारी दी और सभी से अपेक्षा की कि ब्लॉक स्तर पर होने वाले कार्यशालाओं के आयोजन में सहयोग प्रदान करें। एच आई वी पाजिटिव महिला द्वारा अपनी जीवनी से लोगों अवगत कराया और एक प्रेरणा श्रोत बनी, जिलाधिकारी ने उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान दिशा यूनिट के अनुपम शुक्ला सहित श्रम विभाग, पंचायतीराज, समाजकल्याण, सूचना विभाग, आईसीटीसी, सम्पूर्ण सुरक्षा केन्द्र, पीपीटीसीटी, ओएसटीसेन्टर, ब्ल्ड बैंक, केयर एण्ड सपोर्ट सेंटर लिंक वर्कर स्कीम परियोजना, लक्षित हस्तक्षेप परियोजना, एआरटी सेन्टर, जिला प्रोबेशन कार्यालय, जिला कारागार के प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें ।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 दिसम्बर 2024 शनिवार

सम्पादकीय

वैश्विक परिदृश्य में भारत, चीन

यह हकीकत है कि चीन भौगोलिक रूप से हमारा पड़ोसी है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। ऐसे में जरूरी है कि तमाम विसंगतियों के बावजूद अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा के साथ पड़ोसी से रिश्ते बेहतर बनाए जाएं। लंबी खटास व तनातनी के बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई हालिया बैठक के सार्थक परिणाम सामने आए हैं। बीजिंग में डोभाल व वांग तथा दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की बैठक निश्चित रूप से कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण प्रगति कही जा सकती है। खासकर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद पांच वर्षों में यह पहली बातचीत, दो एशियाई दिग्गजों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण व सतर्क बदलाव को ही दर्शाती है। दरअसल, इस चर्चा का केंद्र लद्दाख पर अक्तूबर 2024 के समझौते का कार्यान्वयन था। यह सुखद ही है कि दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर शांति बनाये रखने की प्रतिबद्धता जतायी। निश्चय ही यह कदम भविष्य में संघर्षों को रोकने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम है। बैठक में सीमा व्यापार बढ़ाने, सीमा पार नदियों का डेटा साझा करने तथा कैलाश मानसरोवर की यात्रा को फिर से शुरू करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहन करने के उद्देश्य से छह सत्री सहमति पर भी जोर दिया गया। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि इस तरह की सहमति से सारी चुनौतियां एकदम खत्म हो चुकी हैं। निर्विवाद रूप से सीमा विवाद एक संवेदनशील व जटिल मुद्दा बना है। जिसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि आपसी विश्वास में व्याप्त कमी को दूर किया जाए। निश्चित रूप से व्यावहारिक कूटनीति के साथ विश्वास निर्माण के उपायों को कदम दर कदम बढ़ाया जाना चाहिए। हालांकि इन प्रतिबद्धताओं को अमलीजामा पहनाने के लिये सतर्कता के साथ और राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होगी।

बहरहाल, खट्टे–मीठे रिश्तों और लंबी कटुताओं के बावजूद इस बैठक के निहितार्थों को व्यापक संदर्भों में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निर्विवाद रूप से चीन आज दूसरी बड़ी वैश्विक शक्ति है। भारत ने भी आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में आशातीत प्रगति की है। इसके बावजूद दोनों ही देश वैश्विक शक्ति की बदलती गतिशीलता से जूझ रहे हैं। खासकर अमेरिका में होने जा रहे राजनीतिक परिवर्तन से उबरने वाली आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर। ऐसे में बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को दोनों देशों की एकजुटता प्रभावित करने की क्षमता रखती है। खासकर व्यापार, प्रौद्योगिकी तथा ब्रिक्स जैसे बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में सहयोगात्मक पहल से क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। निस्संदेह, दोनों देशों की सीमा पर शांति की पहल एक शुरुआत मात्र है। इसके उपरांत दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क, व्यापार बाधाओं व असंतुलन को दूर करना वक्त की जरूरत है। हमें सांस्कृतिक सहयोग के जरिये दोनों देशों के संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का लाभ उठाना चाहिए। विश्वास कायम करने और संघर्ष की छाया दूर करने के लिये ऐसे सकारात्मक कदम जरूरी हैं। निस्संदेह, रिश्तों को सामान्य बनाने का रास्ता लंबा है, लेकिन सार्थक संवाद से अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की आशा लगातार बनी रहती है। भारत और चीन के लिये शांति सिर्फ एक आदर्श मात्र नहीं बल्कि एक अपरिहार्य आवश्यकता है। निस्संदेह, भारत और चीन के बीच हुई यह तेईसवीं मुलाकात नई उम्मीद जगाती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री के बीच यह बातचीत कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद लिए गए फैसले के अनुरूप ही हुई है। जिसमें सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द की बहाली और सीमा विवाद का उचित समाधान तलाशने पर सहमति बनी थी। उम्मीद की जानी चाहिये कि संक्रमण के दौर से गुजर रहे वैश्विक परिदृश्य में भारत व चीन एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यह स्थिति दोनों देशों के हित में ही कही जाएगी।

अमेरिकी आरोपों से घिरे अडानी और भारत

—रवि दत्ता मिश्रा—

सितंबर में भारत इंडो पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क (आई.पी.ई.एफ.) के फेयर इकोनॉमी स्तंभ पर हस्ताक्षरकर्त्ता बन गया है, जो अनिवार्य रूप से सभी 15 व्यापार भागीदारों को भ्रष्टाचार, जिसमें रिश्वतखोरी भी शामिल है, को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए बाध्य करता है। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी और 7 अन्य पर 250 मिलियन डॉलर के रिश्वत मामले में अमरीका द्वारा अभियोग लगाए जाने से नई दिल्ली को अमरीका सहित किसी भी भागीदार की जांच का सामना करना पड़ सकता है। सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अडानी के अभियोग और आई.पी.ई.एफ. में भारत की स्थिति पर एक प्रश्न का उत्तर देते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा, "हमने वही प्रतिबद्धताएं ली हैं जो अन्य सरकारों ने आई.पी.ई.एफ. स्तंभ में ली हैं। देश में जो भी कानून है, उसका पालन किया जाएगा।"

भारत और अमरीका सहित 14 अन्य व्यापार सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित निष्पक्ष अर्थव्यवस्था स्तंभ समझौते के तहत, भारत ने स्वीकार किया कि भ्रष्टाचार (जिसमें रिश्वतखोरी भी शामिल है) और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध पूरे भारत–प्रशांत क्षेत्र में समृद्ध, समावेशी और स्थिर आर्थिक व्यवस्था की नींव को नष्ट करते हैं। सदस्य देशों ने भ्रष्टाचार विरोधी उपायों को लागू करने और प्रगति में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञों ने कहा कि अभियोग सदस्य देशों को परामर्श के लिए बुलाकर कई मुद्दों पर भारत पर दबाव बनाने की अनुमति देता है।

समझौते में निर्दिष्ट किया गया है कि यदि किसी भी समय किसी पक्ष को इस समझौते के किसी प्रावधान के दूसरे पक्ष के कार्यान्वयन के बारे में चिंता है, तो संबंधित पक्ष लिखित अधिसूचना के माध्यम से परामर्श का अनुरोध कर सकता है। एक व्यापार विशेषज्ञ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमरीकी कानून, विशेष रूप से विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफ.सी.पी.ए.), अमरीका में कारोबार करने वाली अमरीकी और गैर–अमरीकी दोनों संस्थाओं पर लागू होता है, जिसमें वित्तपोषण जुटाना भी शामिल है। हालांकि, आई.पी.ई.एफ. समझौता सदस्य देशों पर भ्रष्टाचार को रोकने और उपचारात्मक उपायों को लागू करने के लिए कदम उठाने का दायित्व डालता है।

विशेषज्ञ ने कहा, "आई.पी.ई.एफ. के किसी भी समझौते के पीछे यह दृष्टिकोण था कि औपचारिक विवाद समाधान तंत्र की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि परामर्श चौनलों के माध्यम से कार्रवाई शुरू की जा सकती है। हालांकि इसे अभी पूरी तरह से चालू किया जाना बाकी है, लेकिन चर्चा शुरू करने और भारत पर दबाव डालने की पर्याप्त गुंजाइश है।" अडानी समूह ने आरोपों को 'निराधार' बताते हुए उनका खंडन किया है। आई.पी.ई.एफ. के तहत राज्य जवाबदेह हैं । निष्पक्ष अर्थव्यवस्था स्तंभ पार्टियों को 'व्यापार प्राप्त करने या बनाए रखने' या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अन्य अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए 'रिश्वतखोरी को अपराध बनाने' के लिए भी प्रोत्साहित करता है। समझौते में कहा गया है कि पार्टियां मानती हैं कि यदि कोई उम्मीदवार सार्वजनिक पद ग्रहण करता है तो लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से रिश्वत देना सुशासन को कमजोर करता है। प्रत्येक पार्टी भ्रष्टाचार अपराधों को रोकने और उनका समाधान करने के लिए कानून प्रवर्तन कार्रवाइयों की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

क्लैरस लॉ एसोसिएट्स की पार्टनर आर.वी. अनुराधा ने कहा, "आई.पी.ई.एफ. फेयर इकोनॉमी समझौता अमरीका और भारत सहित अन्य देशों के बीच है, जिसके तहत प्रत्येक पार्टी ने भ्रष्टाचार और वित्तीय अपराधों को संबोधित करने और कर प्रशासन में सुधार करने के लिए दायित्व लिया है।" उन्होंने आगे कहा कि समझौते के तहत राज्य एक–दूसरे के प्रति जवाबदेह हैं। यदि कोई पक्ष दूसरे पक्ष के दायित्वों के क्रियान्वयन के बारे में 'चिंता' जताता है, तो ऐसे मुद्दों को हल करने के लिए परामर्श की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए यदि अमरीका द्वारा कहा जाता है, तो भारत को परामर्श में शामिल होने की आवश्यकता होगी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफैसर बिस्वजीत धर ने कहा, "रिश्वत मामले का निहितार्थ यह है कि आई.पी.ई.एफ.. सदस्य हम पर अपने कानूनों में संशोधन करने के लिए दबाव डाल सकते हैं। वैश्वीकृत दुनिया में, आपको घरेलू कानूनों को वैश्विक नियमों के साथ जोडना होगा।"

धर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाऊस की कमान संभालने के साथ, इस तरह के मुद्दों का इस्तेमाल बातचीत में भारत के खिलाफ किया जा सकता है। धर ने कहा, "अगर हमें लगता है कि हम बहुपक्षीय समझौतों से सरकारी खरीद को बाहर करके इस भ्रष्टाचार के मुद्दे को दबा सकते हैं, तो हम गलत हैं। वैश्विक नियमन में सुधार हो रहा है, और भारत को दुनिया के साथ व्यापार करने के लिए तालमेल बनाए रखना होगा।"अमरीकी अदालत में दाखिल किए गए दस्तावेजों के अनुसार, गौतम अडानी, उनके भतीजे और 6 अन्य पर आंध्र प्रदेश सरकार के एक उच्च पदस्थ अधिकारी को लगभग 1,750 करोड़ रुपए (लगभग 228 मिलियन डॉलर) की रिश्वत की पेशकश करने का आरोप है।

संविधान पर विमर्श के साथ अनुकरण की जरूरत

—विश्वनाथ सचदेव—

भले ही घोषित उद्देश्य कुछ भी रहा हो पर संसद के दोनों सदनों में भारत के संविधान के संदर्भ में हुई चार दिन की बहस कुल मिलाकर निराश करने वाली ही थी। निश्चित रूप से यह एक ऐसा अवसर था जब हमारे सांसद न केवल संविधान को नये सिरे से समझने की कोशिश के रूप में उपयोग में ला सकते थे, बल्कि देश के सामने एक ऐसी रूप–रेखा भी रख सकते थे जो 'संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, पंथ–निरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य' की स्थापना के लिए 'हम भारत के लोगों ने समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर अपने लिए बनाया था। हमारा संविधान नागरिक के अधिकारों के साथ–साथ उसके कर्तव्यों को भी परिभाषित करता है।

75 साल पहले हमने अपने लिए यह संविधान बनाया था और एक सपना देखा था कि इसके आधार पर हम एक नया भारत बनायेंगे। इसीलिए, यह एक अवसर था जब हम मिल–जुल कर यह आकलन करते कि हमारा यह संविधान, जो विश्व का सबसे वृहद लिखित संविधान है, अब तक अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल रहा हैय नागरिक से और राजनेताओं से संविधान जो अपेक्षाएं करता है, उन्हें किस हद तक पूरा किया गया हैय और हमें अपने लक्ष्यों तक पहुंचाने में यह संविधान अब तक कितना कुछ कर पाया है। यह अवसर था जब हम देखते कि संविधान में वर्णित सपनों को पूरा करने में हम कितनी दूरी तक पहुंच पाये हैं?

वस्तुतः यह आत्म–विश्लेषण का भी अवसर था। अपनी उपलब्धियों और कमियों का ईमानदार आकलन होना चाहिए था। लेकिन, दुर्भाग्य से ऐसा कुछ हुआ नहीं। इस संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में जो कुछ हुआ वह कुल– मिलाकर निराश करने वाला ही था। सारी बहस के दौरान कहीं ऐसा नहीं लगा कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष ने इस संदर्भ में कोई विशेष तैयारी की थी। एक–दूसरे पर आरोपों–प्रत्यारोपों का वही सिलसिला इस बार भी दिखा जो दुर्भाग्य से हमारी संसद में होने वाली बहसों की एक पहचान बन चुका है।

यह कहना गलत होगा कि हमारी संसद में सही सोच वाले और दूसरे की बात को सही ढंग से समझने वाले लोग हैं ही नहीं, पर पता नहीं क्यों हमारे राजनीतिक दल और अधिकांश राजनेता व्यक्तिगत आरोपों–प्रत्यारोपों से ऊपर उठकर कुछ सोचने–कहने के लिए तैयार ही नहीं दिखते।

विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाने वाले हमारे संविधान–निर्माताओं ने इसे तैयार करने के लिए हर धारा, हर शब्द पर गहराई और गंभीरता से विचार किया था। संविधान–सभा की सारी कार्रवाई उपलब्ध है। वे सारी बातें और भाषण मौजूद हैं जिनके माध्यम से संविधान के लक्ष्यों को प्राप्त करने की आशाएं बांधी गयी थीं। ऐसा नहीं है कि हमारे संविधान–निर्माताओं में मतभेद नहीं थे। खूब मतभेद थे। पर उन्होंने बड़े ही धैर्य से मतभेदों की कंटीली राहों में विवेक के आधार पर पगडंडियां बनायीं– हमारे लिए एक ऐसी विरासत छोड़ गये जो हमारी राहों को सुगम बना सकती थी। यह अवसर उस विरासत के बारे में विचार करने का था, उन दार्शनिक आधारों को समझने का था जो हमारी विकास–यात्रा के लिए हमारे पूर्वजों ने हमें सौंपे थे।

दुर्भाग्य ही है कि संसद में हुई चार दिन की बहस कुछ व्यक्तियों–परिवारों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। लगभग सभी वक्ता वही सब बोले जो वह चुनावी सभाओं में बोलते चले आ रहे हैं। वही सोच, वही शब्दावली। मैं दुहराना चाहता हूं कि यह अवसर आरोपों–प्रत्यारोपों का नहीं, आत्मालोचन का था। संसद में पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए दूसरे की कमीज को अधिक मैला साबित करने के बजाय अपनी कमीज के दागों को देखने का मौका था यह। यह मौका उन्होंने गंवा दिया। नुकसान उनका नहीं हुआ, नुकसान हुआ है भारत के उस आम नागरिक का जो सब कुछ देखने के बावजूद उम्मीद लगाये बैठा है कि उसके नेता कभी तो सही राह पर आयेंगे।

पिछले एक लंबे अरसे से हम यह देख रहे हैं कि हमारी संसद में होने वाली बहस का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। सारी बहस व्यक्तियों पर केंद्रित होकर रह जाती है। व्यक्तियों की गलतियों की चर्चा होनी चाहिए, पर यह चर्चा यहीं सिमटनी भी नहीं चाहिए। बात विचारों पर होनी चाहिए। सोचा जाना चाहिए था कि बाबा साहेब आंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल, मौलाना आजाद, पुरुषोत्तम दास टंडन, श्यामाप्रसाद मुखर्जी, अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर जैसे व्यक्तित्वों ने क्या सोचकर हमें एक ऐसा संविधान दिया जिसके कारण पिछले पिचहत्तर साल में हमारा लोकतंत्र सारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद दुनिया भर के लिए मिसाल बना हुआ है? ऐसा नहीं है कि इस दौरान संविधान के संदर्भ में कोई गलती नहीं हुई। आपातकाल निश्चित रूप से एक काले अध्याय के रूप में याद रखा जाना चाहिएदृ पर यह याद इसलिए नहीं होनी चाहिए कि किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा गलत, कहना चाहिए आपराधिक, कदम उठाया था, इस काले अध्याय को याद इसलिए रखा जाना चाहिए ताकि फिर कोई शासक इस तरह का अपराध न कर पाये। संविधान में उचित संशोधन करके इस आशंका को मिटाने की कोशिश की गयी है, पर आवश्यकता नेतृत्व की सोच में संशोधन करने की है।

यह याद रखना जरूरी है कि हमने संविधान जब बनाया तो देश विभाजन की त्रासदी से गुजर रहा था। सांप्रदायिकता की आग में जलने के बावजूद तब हमारे नेतृत्व ने हमें एक पंथ–निरपेक्ष समाज के निर्माण का संदेश दिया था, हमें बताया था कि समानता का अर्थ यह है कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर एक मानवीय समाज की रचना करके ही हम एक न्यायपूर्ण व्यवस्था को अपना सकते हैं। हमारे नेता आज संविधान को सर्वोपरि मानने की बात तो करते हैं, पर उनकी करनी में वह सब दिखाई नहीं देता जिसकी अपेक्षा हमारा संविधान उनसे करता है।

हमें हमारे संविधान–निर्माताओं ने बंधुता का आदर्श दिया था, हम धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर स्वयं को दूसरे से बेहतर स्थापित करने में लगे हैं। संविधान को लागू करने के 75वें साल में हमें अपने संविधान के आमुख में कही बातों को सही अर्थों में समझने की कोशिश करनी चाहिए थी, पर संसद में हुई बहस व्यक्तियों की आलोचना में सिमट कर रह गयी। विचार और व्यक्ति को अलग करके देखने–समझने का विवेक जैसे हमने खो दिया है। सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस बहस के दौरान ऐसा कुछ अहसास नहीं होने दिया, जो यह बताता कि हमारे नेता संविधान को सचमुच आदर की दृष्टि से देखते हैं। संविधान को हाथ में लेकर शपथ लेने अथवा संविधान के समक्ष माथा टेकने के नाटक से उबरना होगा हमें। आवश्यकता संविधान की भावना को समझने, उसे जीने, की है। दुर्भाग्य से, ऐसा कोई आश्वासन इस बहस के दौरान दिखा नहींदृकब कोई देगा ऐसा आश्वासन?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नदियों को जोड़ने से बहेगी विकास की धारा

—प्रमोद भार्गव—

दुनिया के महासागरों, हिमखंडों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भंडार हैं। लेकिन मानव के लिए उपयोगी जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखंडों के पिघलने और वर्षा न होने के चलते जल स्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृषि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है जिसका मुख्य स्रोत नदियां और भू–जल हैं।

मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती, कालीसिंध और चंबल का पानी एक बड़े जलस्रोत के रूप में बहता है। उपरोक्त नदियों को जोड़े जाने की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में रखी है। इसके प्रतीकस्वरूप तीनों नदियों के पानी को एक घड़े में भरा गया। इसके बाद भारत सरकार और राजस्थान एवं मध्यप्रदेश राज्य सरकारों के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना पर 72000 करोड़ रुपए खर्च होंगे जिसमें 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी। इसमें मध्यप्रदेश के 13 जिलों के 3217 ग्रामों की सूरत बदल जाएगी। दोनों प्रदेशों में मिलाकर 27 नए बांध बनेंगे और 4 पुराने बांधों पर नहरों की जलग्रहण क्षमता बढ़ाई जाएगी। इसी के साथ मौजूदा चंबल–नहर प्रणाली का उद्धार किया जाएगा। ये नदियां निर्धारित अवधि में जुड़ जाती हैं तो सिंचाई के लिए कृषि भूमि का रकबा बढ़ने के साथ अन्न की पैदावार बढ़ेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदी जोड़ो अभियान की जो परिकल्पना की थी, उसे नरेंद्र मोदी ने साकार करने की शुरुआत केन–बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से कर दी थी। ये परियोजनाएं जल–शक्ति अभियान 'कैच द रन' के तहत अमल में लाई जा रही हैं। बाढ़ और सूखे से परेशान देश में इन नदी परियोजनाओं को जोड़ने का अभियान सफल होता है तो 57 अन्य नदियों के मिलन का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल जलवायु परिवर्तन और बदलते वर्षा–चक्र के चलते जरूरी हो गया है कि नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिये भेजा जाए। वैसे भी भारत में विश्व की कुल आबादी के करीब 18 प्रतिशत लोग रहते हैं और उपयोगी जल की उपलब्धता महज 4 प्रतिशत है। हालांकि पर्यावरणविद् इन प्रोजेक्ट्स का विरोध कर रहे हैं कि नदियों को जोड़ने से इनकी अविरलता खत्म होगी व विलुप्त होने का संकट बढ़ जाएगा।

नर्मदा और क्षिप्रा नदियों को जोड़ने का काम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहले ही कर चुके थे। चूंकि ये दोनों नदियां मध्य प्रदेश में बहती थीं, इसलिए इन्हें जोड़ा जाना संभव हो गया था। केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की तैयारी में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें बहुत पहले से जुटी थीं। इस परियोजना को वर्ष 2005 में मंजूरी भी मिल गई थी, लेकिन पानी के बंटवारे को लेकर विवाद बना हुआ था। कालांतर राजनीतिक स्थितियां बदलीं तो परियोजनाओं पर सहमति बन गई। केन नदी जबलपुर के पास कैमूर की पहाड़ियों से निकलकर 427 किमी उत्तर की ओर बहने के बाद बांदा जिले में यमुना नदी में जाकर गिरती है। वहीं बेतवा नदी मध्य–प्रदेश के रायसेन जिले से निकलकर 576 किमी बहने के बाद उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलती है। केन–बेतवा नदी जोड़ो योजना पर बांधों एवं नहरों का काम शुरू हो गया है।

दुनिया के महासागरों, हिमखंडों, नदियों और बड़े जलाशयों में अकूत जल भंडार हैं। लेकिन मानव के लिए उपयोगी जीवनदायी जल और बढ़ती आबादी के लिए जल की उपलब्धता का बिगड़ता अनुपात चिंता का बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में भी बढ़ते तापमान के कारण हिमखंडों के पिघलने और वर्षा न होने के चलते जल स्रोतों के सूखने का सिलसिला जारी है। वर्तमान में जल की खपत कृषि, उद्योग, विद्युत और पेयजल के रूप में सर्वाधिक हो रही है। हालांकि पेयजल की खपत मात्र आठ फीसदी है जिसका मुख्य स्रोत नदियां और भू–जल हैं। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती आबादी के दबाव के चलते एक ओर नदियां सिकुड़ रही हैं, वहीं औद्योगिक कचरा और गंदगी बहाना जारी रहने से गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां बेहद प्रदूषित हो गई हैं।

प्रस्तावित करीब 120 अरब डॉलर अनुमानित खर्च की नदी जोड़ो परियोजना को दो हिस्सों में बांटकर अमल में लाया जाएगा। एक प्रायद्वीप स्थित नदियों को जोड़ना और दूसरे हिमालय से निकली नदियों को जोड़ना। प्रायद्वीप भाग में 16 नदियां हैं, जिन्हें दक्षिण जल क्षेत्र बनाकर जोड़ा जाना है। इसमें महानदी, गोदावरी, पेन्नार, कृष्णा, तापी, नर्मदा, दमनगंगा, पिंजाल और कावेरी को जोड़ा जाएगा। पश्चिम के तटीय हिस्से में बहने वाली नदियों को पूर्व की ओर मोड़ा जाएगा। इस तट से जुड़ी तापी नदी के दक्षिण भाग को मुंबई के उत्तरी भाग की नदियों से जोड़ा जाना प्रस्तावित है। केरल और कर्नाटक की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों की जलधारा पूर्व दिशा में मोड़ी जाएगी। यमुना और दक्षिण की सहायक नदियों को भी आपस में जोड़ा जाना इस परियोजना का हिस्सा है।

हिमालय क्षेत्र की नदियों के अतिरिक्त जल को संग्रह करने की दृष्टि से भारत और नेपाल में गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों पर विशाल जलाशय बनाने के प्रावधान हैं। ताकि वर्षाजल इकट्ठा हो और उत्तर–प्रदेश, बिहार एवं असम को भयंकर बाढ़ से छुटकारा मिले। इन जलाशयों से बिजली भी उत्पादित की जाएगी। इसी क्षेत्र में कोसी, घांघरा, मेच, गंडक, साबरमती, शारदा, फरक्का, सुन्दरवन, स्वर्णरेखा और दामोदर नदियों को गंगा, यमुना और महानदी से जोड़ा जाएगा। करीब 13,500 किमी लंबी ये नदियां भारत के संपूर्ण मैदानी क्षेत्रों में बहती हैं। वही 2528 लाख हेक्टेयर भूखंडों और वनप्रांतरों में प्रवाहित इन नदियों में प्रति व्यक्ति 690 घनमीटर जल है। कृषि योग्य 546 लाख हेक्टेयर भूमि इन्हीं नदियों की बदौलत सिंचित होती है।

नदियों के बाढ़ के पानी को इकट्ठा किया जाए और फिर उसे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में नहरों के जरिए भेजा जाए। ऐसा हो तो पेयजल की समस्या का निदान तो होगा ही, सिंचाई के लिए भी पर्याप्त जल मिलने लग जाएगा। इसलिए नदी जोड़ो परियोजनाओं को भविष्य के लिए लाभदायी माना जा रहा है।

काशी, मथुरा, संभल तो कभी भोज में मंदिरों को तोड़ा गया, सनातन ही राष्ट्रीय धर्म –सीएम योगी

–अयोध्या पहुंचे योगी हनुमान जी और रामलला का किया दर्शन पूजन

–अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ में हुए शामिल, पंचनारायण महायज्ञ में डाली आहुति

–भानु प्रताप सिंह–

संवाददाता–अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। सीएम योगी ने हनुमानगढ़ी–रामलला का दर्शन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्या धाम के अशर्फी भवन आश्रम में आयोजित भव्य अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ और पंच नारायण महायज्ञ में भाग लिया। सीएम योगी ने महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म सुरक्षित है तो दुनिया में सब कोई सुरक्षित है। सनातन धर्म ही भारत का राष्ट्रीय धर्म है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और शांति का प्रसार होता है। ऐतिहासिक मंदिरों पर आक्रमण की घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग इन पवित्र स्थलों को नष्ट करने का काम करते थे, उनका कुल और वंश नष्ट हो गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत तब तक भारत है जब तक यहां सनातन धर्म सुरक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस धर्म के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि युगों–युगों से सनातन धर्म ने सृष्टि के साथ तालमेल बनाकर खुद को जीवंत बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसे किसी भी प्रकार की विकृतियों या विसंगतियों से बचाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा। भारत तब तक भारत है जब तक भारत के अंदर सनातन धर्म सुरक्षित है। इसकी रक्षा के लिए इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर के कार्य करना होगा। यह एक शाश्वत धर्म है, सृष्टि के साथ चला हुआ धर्म है हो सकता है कि किसी कालखंड में कुछ विसंगतिया आई हो लेकिन, विसंगती का परिमार्जन भी हमारे ऋषि मुनि संतो के माध्यम से समय–समय परमहापुरुषों के द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए हम करेंगे। कहीं भी हम आपसी उन फूट का, आपसी बंटवारे का, आपसी विभाजन की गलतियों को पूरे देश और पूरे धर्म को नहीं भुगतने देंगे, इस संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि औरंगजेब के परिवार के लोग आज रिक्शा चला रहे हैं। यह उनकी दुर्गति है। अगर उन्होंने पुण्य किए होते और मंदिरों को न तोड़ा होता, तो क्या उनकी ऐसी स्थिति होती? उन्होंने कहा कि विश्व शांति की स्थापना केवल सनातन धर्म के माध्यम से हो सकती है। यह शाश्वत धर्म है, जो सृष्टि के आरंभ से ही चला आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत और विकास के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने अयोध्या में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या के वैभव को पुनः स्थापित करने का कार्य किया है। रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण और अयोध्या धाम का विकास इसका जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह यज्ञ न केवल आत्मशुद्धि और पर्यावरण शुद्धि का माध्यम है, बल्कि यह सनातन धर्म की रक्षा और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार भी करता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मां सरयू के पवित्र अंचल और भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर हो रहा है, जो इस यज्ञ को और भी विशेष बनाता है।

सीएम योगी ने कहा कि जिन गलतियों की वजह से भारत को गुलामी की बेड़ियां झेलनी पड़ीं और हमारे धर्म स्थलों का अपमान हुआ, उन्हें दोबारा नहीं दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने भारतवासियों से सनातन धर्म की रक्षा और संरक्षण के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि अगर विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म का सम्मान करना होगा। यह धर्म सभी के कल्याण की बात करता है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम् का संदर्भ देते हुए कहा कि यह केवल सनातन धर्म है, जिसने हर जाति और मजहब के लोगों को विपत्ति के समय शरण दी है।

सीएम योगी ने कहा कि आज बांग्लादेश में क्या हो रहा है, पाकिस्तान में क्या हुआ था, इससे पहले अफगानिस्तान में क्या हुआ ? मैं पूछना चाहता हूं उन लोगों से वह कौन लोग थे जिन्होंने देश के अंदर सनातन धर्म से जुड़े हुए उन मान बिंदुओं को नष्ट करने का काम किया था, और क्यों किया था, उसके पीछे की नियत क्या थी। उसके पीछे की नियति थी अपने कुकृत्यों को अंजाम दे करके पूरी धरती को नर्क बनाने की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, संभल में कल्की अवतार की हरिहर भूमि, भोज में ज्ञान के अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के पावन मंदिर जैसे पवित्र स्थलों को अपवित्र करने वालों का आज कोई अस्तित्व नहीं है। यह उनके पापों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में कोई भी ऐसी स्थितियां उत्पन्न न हो, जिनसे हमारे धर्म स्थलों को अपमानित होना पड़े।

तहसीलदार की गाड़ी ने युवक को कुचला, 30 किमी तक घसीटा, रास्ते भर बिखरे लाश के चीथड़े

संवाददाता–बहराइच। बृहस्पतिवार की रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां तहसीलदार नानपारा की गाड़ी ने बाइक सवार को कुचल दिया। घटना के बाद चालक ने रुकने की बजाय कार को और तेज भगा दिया। करीब 30 किमी तक शव को घसीटते ले गया। उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए। घटना के बाद जिसने भी लाश देखी उसके रोंगटे खड़े हो गए। भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लाश पहचानना मुश्किल हो रहा था। तहसीलदार की गाड़ी से नायब तहसीलदार भ्रमण पर निकले थे। डीएम मोनिका रानी ने नायब तहसीलार के निलंबन की संस्तुति की है। हादसा रामगांव थाना क्षेत्र में चौपाल सागर के पास बहराइच–नानपारा मार्ग पर हुआ। मूल रूप से पयागपुर थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर कॉलोनी निवासी नरेंद्र कुमार हालदार (35) अपनी भांजी प्रियंका को छोड़ने उसके घर लखीमपुर खीरी के गोला गए थे। वहां से वह बाइक से वापस लौट रहे थे। रास्ते में चौपाल सागर के पास तहसीलदार के वाहन ने टक्कर मार मार दी। हादसे के बाद नरेंद्र वाहन में फंस गए। लेकिन, वाहन चालक ने वाहन रोकने के बजाय तेज भगाने लगा। नरेंद्र वाहन में फंसे रहे। वाहन चालक वहां से नानपारा तक यानी लगभग इससे उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए। दर्दनाक मौत हो गई। वाहन रुकने के बाद नानपारा तहसील परिसर में मृतक का क्षत विक्षत शव गिरा। इसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली नानपारा की पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

वीभत्स हादसे की सूचना पर मृतक नरेंद्र के पिता राधेश्याम, पत्नी शोभरानी रोते बिलखते नानपारा तहसील पहुंची। इस दौरान परिजनों के करौंदा क्रंदन को देख मौजूद कर किसी की आंखें नाम हो गई। मृतक के पिता ने बताया राधेश्याम ने बताया कि बेटे के शव के चीथड़े उड़ गए है। पहचानना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि इतने वीभत्स हादसे के आरोपियों पर शख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं पत्नी शोभरानी ने बताया कि एक 12 साल का बेटा, एक आठ साल का बेटा और एक बेटी है। उनके सिर से पिता का साया उठ गया है।

रामगांव थाना क्षेत्र के चौपाल सागर के पास हुए इस हादसे के बाद से चर्चाएं तेज है। नायब तहसीलदार हादसे के वक्त वाहन में बैठे थे। बावजूद इसके उन्होंने भी हादसे के बाद चालक को वाहन रोकने के बारे में नहीं कहा। थाना प्रभारी आलोक सिंह ने बताया कि तहसीलदार के वाहन से हादसा हुआ है। उस समय में पेट्रोलिंग पर था। हादसे के वक्त तहसीलदार वाहन में बैठे थे कि नहीं, इसकी पुष्टि नहीं है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

एसपी वृंदा शुक्ला ने कहा कि हादसा वीभत्स था और शव को तहसीलदार के वाहन द्वारा लगभग 30 किमी तक घसीटा गया। मृतक के आने के समय और गाड़ी में बैठे नायब तहसीलदार के निकलने के समय का मिलान सीसीटीवी के आधार पर किया जा रहा है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मामले में डीएम मोनिका रानी ने कड़ी कार्रवाई की है। डीएम ने बताया कि जिस समय हादसा हुआ उस समय तहसीलदार नानपारा के सरकारी वाहन में नायब तहसीलदार बैठे थे। लेकिन उनको यह नहीं पता चला कि वाहन में कोई शव फंसा है। इसमें लापरवाही मिलने पर नायब तहसीलदार शैलेंद्र को निलंबित किया जा रहा है। इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। डीएम ने बताया कि नायब तहसीलदार क्षेत्र में भ्रमण के लिए निकले थे।

शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचा गांव सैनिक सम्मान के साथ हुई अंतिम विदाई

संवाददाता–देवरिया। शहीद आशुतोष मिश्र का पार्थिव शरीर शुक्रवार की दोपहर उनके पैतृक गांव मईलौटा पहुंचा। यहां शहीद के अंतिम दर्शन को हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग भारत मां की जयकारे के साथ ही शहीद आशुतोष अमर रहें के नारे लगा रहे थे। इस दौरान डीएम दिव्या मित्तल और एसपी संकल्प शर्मा समेत पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद था। शहीद को भागलपुर में सरयू नदी के किनारे कालीचरन घाट पर सैनिक सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। उनके बेटे सत्यम मिश्र ने मुखाग्नि दी तो मौजूद लोगों की आंखें भर आई।

मईल थाना क्षेत्र के मईलौटा गांव निवासी आशुतोष मिश्रा (35) पुत्र स्व. दुर्गा प्रसाद मिश्र सेना में हवलदार थे। वर्तमान में उनकी तैनाती जम्मू में थी। उनकी यूनिट राजस्थान के बीकानेर में युद्धाभ्यास पर गई थी। 18 दिसंबर को युद्धाभ्यास के दौरान महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नार्थ कैंप में तोप का गोला ब्लास्ट होने से अपने एक अन्य साथी समेत आशुतोष शहीद हो गए थे। उनका पार्थिव शरीर सेना के वाहन से शुक्रवार को दोपहर करीब 1 बजे उनके पैतृक गांव मईलौटा पहुंचा।

यहां प्रशासन की तरफ से अंतिम संस्कार की तैयारी पहले से कर ली गई थी। पार्थिव शरीर के पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों की आँखे भर आईं। पत्नी अनीता मिश्र दहाड़ें मार कर चीखा पड़ीं। यह देख लोगों का कलेजा फटा जा रहा था। बेटे सत्यम (12) और बेटी ज्योति (15) के साथ ही 105 साल की दादी पार्वती देवी बदहवास थीं। पार्थिव शरीर लेकर आए सेना के जवानों और मौजूद अधिकारियों ने किसी तरह से परिजनों को संभाला है।

शहीद के भाई अरविंद कुमार मिश्र ने खुद को संभालने के साथ ही परिजनों को ढांढ़स बंधाया। इसके बाद शहीद की अंतिम यात्रा निकली। भागलपुर में सरयू के कालीचरण घाट पर सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार हुआ। मुखाग्नि बेटे सत्यम ने भाई अरविंद मिश्र की मदद से दी। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक दीपक मिश्र शाका, एसडीएम अंगद यादव, सीओ आदित्य कुमार गौतम, पूर्व जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र चौधरी समेत हजारों लोग मौजूद रहे। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान राजेश यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल को ज्ञापन सौंप कर गांव में शहीद की मूर्ति लगाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में आशुतोष मिश्र की मूर्ति लगाने के अलावा उनके नाम पर गेट बनाया जाए। इसके अलावा उनके नाम पर गांव में एक स्टेडियम भी बने। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों से शासन को अवगत कराते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुछ दिन पहले आशुतोष छुट्टी लेकर अपने गांव मईलौटा आये थे। इनके बड़े भाई अरविन्द कुमार मिश्रा उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात हैं। आशुतोष मिश्रा अपने परिवार सहित जम्मू में ही रहते थे। दिसम्बर में गांव घूमने आए थे। 12 दिसंबर को गांव से अपने ड्यूटी स्थल जम्मू गए थे। वहां से राजस्थान बीकानेर में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में तोपाभ्यास के लिए गए थे। जहां यह हादसा हो गया। ग्रामीणों के अनुसार सैनिक आशुतोष मिश्रा बहुत ही मिलनसार स्वभाव के थे। गांव के रामू यादव का कहना था कि आशुतोष जब भी छुट्टी पर गांव आते थे तो सभी से मिलकर हंसी खुशी बांटते थे। उनके इस स्वभाव से आसपास के लड़के भी खुश रहा करते थे। सैनिक आशुतोष मिश्रा जब गांव आते थे तो गांव के लड़कों को भी देश की सेवा के लिए जागरूक किया करते थे।

प्रधानाचार्य के हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर छात्रों ने किया सड़क जाम

संवाददाता–देवरिया। श्री गांधी आदर्श इंटर मीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य को रास्ते में घेर मनबढ़ों ने मारपीट कर घायल कर दिया था।आरोपियों पर कार्रवाई नही होने से नाराज कॉलेज के छात्रों ने शुक्रवार की दोपहर पिंडी– भागलपुर मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम होने से दोनों तरफ गाड़ियों की कतार लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया। मामले में पुलिस ने प्रधानाचार्य की तहरीर पर दो नामजद समेत छह के खिलाफ केस दर्ज किया है।

18 दिसम्बर को लार थाना क्षेत्र के रेवली में स्थित श्री गांधी आदर्श इंटर मीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य जयराम कुशवाहा स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर जा रहे थे। इसी बीच तिलौली चौराहे पर पहले से घात लगाए करीब आधा दर्जन की संख्या में बैठे मनबढ़ों ने उन्हें रास्ते में रोक उनके ऊपर हमला कर दिया।जिसमें प्रधानाचार्य जयराम कुशवाहा गंभीर रूप से घायल हो गए।

दो दिन बीतने के बाद कार्यवाई नही होने से नाराज कॉलेज के छात्रों ने सड़क जाम कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगें। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी उमेश कुमार बाजपेयी ने छात्रों को समझा सड़क खाली कराया। जिसके बाद नाराज छात्र सभी अपने कॉलेज में पहुंच पठन पाठन के कार्य में जुट गए। उमेश कुमार बाजपेयी,थाना प्रभारी लारने कहा कि सड़क जाम करने की सूचना पर गया था। छात्रों को समझा कर सड़क खघली करा दिया गया है। मामले में दो नामजद समेत छह के खिलाफ केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार की मौत

संवाददाता–देवरिया। थाना क्षेत्र के सलेमपुर–भाटपाररानी मार्ग पर मझुआबारी गांव के समीप शुक्रवार की दोपहर नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे में बाइक पर बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव का पहचान करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। घायल महिला को चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज रेफर कर दिया।

प्रतियोगिता जीतना नहीं प्रतिभाग करना महत्वपूर्ण -डीआईजी

संवाददाता–देवरिया। खरवनिया नवीन में स्थित प्रभावती महाविद्यालय का 15 वां वार्षिकोत्सव शुक्रवार को बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आनंद एस कुलकर्णी डीआईजी रेंज गोरखपुर ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित व दिप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में जीतने से अधिक प्रतिभाग करना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि स्कूल में मिली शिक्षा ही नहीं अन्य अनुभव उससे अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। यह अनुभव पूरे जीवन में काम आते हैं। जब हम छात्र नहीं होते तब हम छात्र जीवन की बातें एक–एक करके याद आती हैं और तब इसका महत्व समझ में आता है। इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्रों को साइकिल प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान दर्जनों छात्राओं में सिलाई मशीन वितरित किया गया। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मौजूद अतिथियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्रों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान एक हजार लोगों को कंबल वितरित किया गया। स्कूल परिसर में प्रशासन की तरफ से स्वास्थ्य कैंप व ग्राम चौपाल भी लगाया गया था। संस्था की तरफ से मोहन लाल जायसवाल ने आए हुए अतिथियों का आभार जताया। चेयरमैन नंदलाल जायसवाल ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह व शाल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन रविप्रकाश मिश्र उर्फ छोटे बाबा ने किया।

पूजा की तैयारी कर रही मां को बेटे ने मौत के घाट उतारा

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज क्षेत्र के ग्राम सिकन्दरा जीतपुर में शुक्रवार को एक बेटे ने अपनी मां को मार डाला। पूजा की तैयारी कर रही मां पर छत से ईंट चलाकर मारा, जिससे उसकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया। सिन्दरा जीतपुर निवासिनी 70 वर्षीया शशिप्रभा अपने घर के आंगन में अपनी बड़ी बहू के साथ काली मंदिर में पूजा चढ़ाने के लिए प्रसाद बना रही थी। इसी बीच उसका छोटा बेटा चिंटू उर्फ अवनीश (35) घर पहुंचा। लोगों के अनुसार बुरी संगत में नशा आदि करने का आदी अवनीश आए दिन अपनी मां से विवाद करता था। वह सीधे अपने दो मंजिला मकान के छत पर पहुंचा और छत से अपनी मां के उपर ईंट चलाकर मारा। सिर पर चोट लगने से मौके पर ही शशिप्रभा की मौत हो गयी। साथ में प्रसाद बना रही बहू के चिल्लाने पर ग्रामीण इक्ट्ठा हो गये। परिजनों ने तत्काल घटना की जानकारी 112 नंबर पर पुलिस को दी। इस घटना के बाद आरोपी बेटा घर के आसपास ही आराम से घूमता रहा। मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने बृजमनगंज थाने को सूचना देकर आरोपी को हिरासत में ले लिया।

शशिप्रभा के पति कुंज बिहारी की मौत 20 वर्ष पूर्व हो गयी थी। उसके दो बेटे बिट्टू और चिंटू हैं। बड़े बेटे बिट्टू की शादी हो गई है और आरोपी चिंटू अविवाहित है। चिंटू पर कई आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं।

सत्यप्रकाश सिंह, एसओ, बृजमनगंज ने कहा कि आरोपी चिंटू उर्फ अवनीश पुलिस हिरासत में है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में जरूरी कार्रवाई हो रही है।

कांग्रेसियों ने प्रदर्शन कर गृहमंत्री का मांगा इस्तीफा

संवाददाता–देवरिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामजी गिरि के नेतृत्व में प्रदर्शन कर गृह मंत्री के इस्तीफे के मांग किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को सम्बोधित प्रत्रक अपर उपजिलाधिकारी हरिशंकर लाल को सौंपा। रामजी गिरि ने कहा कि डॉ आंबेडकर दबे कुचले, निराश्रित, पिछड़ों व सर्व समाज के वास्तव मे मसीहा थे।उनके खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी कर गृहमंत्री अमित शाह ने पूरे देश का अपमान किया है। वह वास्तव में भगवान के समान थे। आज उनके बनाए गए संविधान के बल पर ही समाज का हर वर्ग सम्मान के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। इस अपमान को कांग्रेसी बर्दाश्त नहीं करेंगे। गृहमंत्री को तत्काल इस्तीफा देकर देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। आज भाजपा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपमानित कर फर्जी मुकदमा दर्ज करा रही है। जिनको देश के लोगों ने संसद चलाने की जिम्मेदारी सौंपी है वही लोग संसद नही चलने दे रहे हैं। चारों तरफ अराजकता फैलाने का काम कर रहे हैं। देश की आमजनता भाजपा व उसके सहयोगियों का यह करतूत देख रही है। देश मे नफरत फैलाने का काम भाजपा नेता कर रहे हैं। कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता भाजपा के इस इरादे को सफल नहीं होने देगा। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, जयदीप त्रिपाठी, मुकुन्द भाष्कर मणि त्रिपाठी, समीर पांडेय, दीनदयाल प्रसाद,सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी, जुलेखा खातून,नीलेश मणि, ऋषिकेश मिश्र, नागेन्द्र शुक्ल, आलोक त्रिपाठी,सुनील तिवारी, वशिष्ठ मोदनवाल,गोविन्द मिश्र, इस्लाम खान,जयप्रकाश पाल,उपेन्द्र कुमार,अशोक गौड़, मार्कण्डेय मिश्र, सुनील द्विवेदी, प्रेमलाल भारती,वजीर अहमद,नौशाद खान,विजय शंकर मिश्र,शहनवाज जफर,रीता देवी,सुहैल अंसारी,अब्दुल जब्बार,धर्मेन्द्र पांडेय, पन्नालाल पाठक,वीरेंद्र तिवारी, रणजीत शुक्ल,कमलेश मिश्र,शिवशंकर सिंह, हर्षित सिंह, अंकुर भारती,गंगा कुशवाहा,हासन आदि शामिल रहे।

गड़ौरा चीनी मिल को 54.5 लाख कुंतल गन्ना हुआ आवंटित

संवाददाता–महराजगंज। गड़ौरा चीनी मिल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गन्ना आयुक्त ने 54.5 लाख कुंतल गन्ना आवंटित किया है। इस आदेश के मिलते ही क्षेत्र के गन्ना किसानों और मिल कर्मचारियों में खुशी है। वहीं मिल प्रबंधन ने 26 दिसंबर से मिल को चलाने का निर्णय लिया है और गन्ना सेंटर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गड़ौरा चीनी मिल के यूनिट हेड ओपी सिंह ने बताया कि गन्ना आवंटन के लिए कोर्ट में मुकदमा चल रहा था। इस क्रम में कोर्ट से आदेश मिलने पर गन्ना आयुक्त पीएन सिंह ने केन यूनियन सिसवा, फरेंदा, बृजमनगंज और कुशीनगर जिले के खड्डा और छितौनी समितियों का कुल 54.5 लाख कुंतल गन्ना आवंटित कर दिया है। उन्होंने बताया कि इन समितियों के क्षेत्र में कुल 31 गन्ना क्रय केंद्रों को लगाया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू कर दी जाएगी।

जिला गन्ना अधिकारी ओमप्रकाश सिंह यादव ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर गन्ना आयुक्त ने गड़ौरा चीनी मिल को 54.5 लाख कुंतल गन्ना आवंटित किया है। अब मिल को चलाने में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी।

सुप्रीम कोर्ट से गड़ौरा चीनी मिल को गन्ना आवंटन के लिए आदेश मिलने की सूचना मिलते ही गड़ौरा चीनी मिल के कर्मचारियों और किसानों में खुशी है। गड़ौरा चीनी मिल मजदूर यूनियन के अध्यक्ष डॉ. नवल किशोर मिश्र ने कहा कि मिल के चलने से कर्मचारियों को उनके बकाया भुगतान की उम्मीद जगी है साथ ही मिल चलने से जो कर्मचारी खाली थे उन्हें रोजगार मिलेगा। केन यूनियन सिसवा के पूर्व चेयरमैन राजेश्वर तिवारी उर्फ पप्पू तिवारी, चेयरमैन संजय राव, पूर्व डायरेक्टर घनश्याम शुक्ला, रमाशंकर, किसान इंदल प्रसाद शुक्ला, किसान नेता विनोद यादव, प्रमोद यादव, नरेंद्र कुशवाहा, चिंकू गुप्ता आदि ने एक बैठक कर खुशी जाहिर करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है।

ऑपरेशन धरपकड़ में 15 वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। आपरेशन धड़पकड़ में पुलिस की ओर से 15 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज ने गुरुवार रात में वारंटियों के विरुद्ध धड़ पकड़ अभियान चलाया। अभियान के तहत पुलिस ने 15 वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। गिरफ्तार वारंटियों में मार–पीट, आर्म्स एक्ट, आबकारी, चोरी, वन अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट जैसे गम्भीर अपराधों में वांछित अपराधी शामिल रहे।

अपनी मांगों को लेकर फार्मासिस्टों का धरना–प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। अपनी 24 सूत्री मांगों को लेकर फार्मासिस्टों ने शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। फार्मासिस्टों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। साथ ही धरनास्थल पर ही मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा को सौंपा। यह तय किया गया कि तीन जनवरी को अपर निदेशक कार्यालय पर प्रदर्शन होगा।

शुक्रवार सुबह से ही डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी सीएमओ कार्यालय पर इकट्ठा होने लगे थे। सुबह दस बजे तक काफी संख्या में फार्मासिस्ट धरनास्थल पहुंच गए। धरने की अध्यक्षता डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सालिकराम त्रिपाठी व संचालन महामंत्री सुधीर शुक्ला ने किया। सालिकराम त्रिपाठी ने कहा कि फार्मासिस्टों को 4600 का स्थापन्न वेतनमान देने, फार्मासिस्टों का पद नाम फार्मेसी अधिकारी व चीफ फार्मासिस्ट का पद नाम चीफ फार्मेसी अधिकारी करने, विशेष कार्याधिकारी फार्मेसी का पदनाम सहायक निदेशक फार्मेसी करने के साथ ही फार्मासिस्टों के 24 मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके बाद अगले चरण में तीन जनवरी को अपर निदेशक व 31 जनवरी को महानिदेशालय अपनी मांगों को लेकर फार्मासिस्टों का प्रदर्शन होगा। महामंत्री सुधीर शुक्ला ने कहा कि फार्मासिस्टों के वेतन व अन्य देयको में विभिन्न विसंगतियां हैं, जिसके बारे में कई बार उच्चाधिकारियों को बताया जा चुका है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस दौरान सुधाकर पांडेय, घनश्याम पांडेय, वेद प्रकाश भारती, अरुण कुमार शर्मा, कुलदीप त्रिपाठी, आनंद सिंह, गौरी दत्त सिंह, अवधेश त्रिपाठी, अब्दुल खालिक, अवधेश शुक्ला, दिवाकर चौधरी, राजू गुप्ता, प्रभाकर पांडेय, शैलेंद्र सिंह, दीपेन्द्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

बीआरसी पर बैठक कर टीएससीटी ने शिक्षकों से जुड़ने का आह्वान किया

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर के बीआरसी भवन में टीचर सेल्फ केयर टीम के पदाधिकारियों ने बैठक कर ब्लॉक से अधिक से अधिक लोगों को टीम से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिला संयोजक पंकज प्रकाश मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को ब्लाक संसाधन केंद्र पर आयोजित बैठक में ब्लाक संरक्षक राजेंद्र नाथ शर्मा ने बताया कि इस बार दिवंगत सदस्यों के परिवार को 19 रुपए के सहयोग मात्र से 53 लाख से अधिक की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब तक 4 वर्षों में टीएससीटी सदस्यों द्वारा 226 परिवारों को लगभग 83 करोड़ की मदद की जा चुकी है,जिसमे बहराइच जिले के 8 दिवंगत शिक्षक साथियों के परिवार शामिल है। ब्लॉक संयोजक अभिकेश त्रिपाठी ने ब्लॉक के अधिक से अधिक शिक्षकों को टीएससीटी परिवार से जोड़ने की बात कही। उन्होंने बताया कि टीम से जुड़े शिक्षकों को रजिस्ट्रेशन या सहयोग में समस्या उत्पन्न होने पर ब्लॉक की टीम त्वरित निदान करेगी।

बाबा साहब पर अमित शाह के बयान का विरोध, कांग्रेसी बोले– गणतंत्र की नींव को कमजोर करने का प्रयास

संवाददाता–अयोध्या। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीम राव अंबेडकर के बारे में राज्यसभा में की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन से भाजपा विरोधी और अमित शाह विरोधी नारे लगाते हुए जुलूस की शक्ल में निकले कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रिकाबगंज चौराहे पर रोका।

इससे पूर्व कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की ओर से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी बेहद अपमानजनक है। साथ ही उन करोड़ों भारतीयों का भी घोर अपमान हैं, जो उन्हें भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रणेता के रूप में पूजते हैं।

पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा बाबा साहब अंबेडकर पर अमित शाह की ओर से दिया गया बयान निंदनीय है। बाबा साहब इस देश की आत्मा में बसते हैं उनका अपमान सहन नहीं किया जाएगा। जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि हमारे गणतंत्र की नींव को कमजोर करने का एक खतरनाक प्रयास है।

डॉ. अंबेडकर समानता, न्याय और हमारे संविधान में निहित लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रतीक हैं। उनके नाम को कलंकित करने का कोई भी प्रयास इन मूल्यों का अपमान है और हमारे राष्ट्र की सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा है।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र मणि पांडेय , बृजेश रावत, सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा, राम अवध, जिला महासचिव रुद्र प्रताप सिंह रिशु, चंचल सोनकर, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामेंद्र त्रिपाठी, एससी एसटी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष रामसागर रावत, उमेश उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

डिवाइटर पार कर दूसरे लेन में गई कार की टक्कर से बुलेट सवार की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स क्षेत्र के सोनबरसा बाजार में वंशी सिंह इंटर कॉलेज के सामने फोरलेन पर शुक्रवार को दोपहर एक बजे एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर दक्षिणी लेन का डिवाइडर पार कर उत्तरी लेन में जाकर बुलेट में टकरा गई। इस हादसे में बुलेट सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। मरने वाले की पहचान कुशीनगर जिले के कप्तानगंज क्षेत्र के शाहपुर निवासी अतुल चौरसिया (27) पुत्र दिनेश चौरसिया के रूप में हुई। दूसरा घायल युवक बिहार प्रान्त के गोपालगंज जिले के कटया थानाक्षेत्र के सुकसेनवा निवासी शाकिब खान (25) पुत्र इन्तियाज के रूप मे हुई। दोनों शुक्रवार को दोपहर में अपनी बुलेट बाइक से कसया की तरफ जा रहे थे। उसी दौरान सोनबरसा बाजार में वंशी सिंह इंटर कॉलेज के सामने फोरलेन पर दक्षिणी लेन में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर फोरलेन के बीच का डिवाइडर पार कर उत्तरी लेन में जाकर बुलेट में टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद कार में सवार लोग गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को अपने कब्जे में लेकर जांच कर रही है।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा नगर के पिपरा तिराहा पर शुक्रवार को ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार बुजुर्ग गम्भीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोग उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गये जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संतकबीरनगर जिले के दुधारा क्षेत्र के सेमरियावा निवासी 62 वर्षीय जमील अहमद अपने बेटे वसीम अहमद के साथ शुक्रवार को बाइक से दवा कराने गोरखपुर जा रहे थे। पिपरा तिराहा के पास बाइक अचानक एक अज्ञात ट्रक से टकरा गई। बाइक अनियंत्रित होने पर बुजुर्ग जमील अहमद नीचे गिर गए और ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नौकरी के इंटरव्यू के लिए बुलाया, शराब पीकर सो गए डीपीओ, डीएम की रिपोर्ट पर सरकार ने किया सस्पेंड

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र सरकार ने कार्रवाई करते हुए सस्पेंड कर दिया है। निलंबन की अवधि में डीपीओ को लखनऊ स्थित निदेशालय से संबद्ध किया गया है। सीडीओ की ओर से भेजे गए पत्र में बताया गया है कि डीपीओ ने नौकरी के इंटरव्यू के लिए अभ्यर्थियों को बुलाया था, लेकिन वह खुद ही नशे में मिले। इसके अलावा डीपीओ पर स्वेच्छाचारी आचरण, अनुशासनहीनता, शासकीय दायित्वों के प्रति उदासीनता समेत अरुचि, अकुशलतम एवं प्रशासनिक अनुभवहीनता, अधीनस्थों पर शिथिल नियंत्रण जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की प्रमुख सचिव की ओर से जारी पत्र में जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मिश्र को 18 दिसंबर को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश में पोषण अभियान के तहत जिला और ब्लॉक कोर्डिनेटर के पदों पर चयन होना था। 22 नवंबर को डीपीओ ने इंटरव्यू के लिए अभ्यर्थियों को विकास भवन बुलाया था। इंटरव्यू के लिए बताई गई जगह पर अभ्यर्थी लगातार पहुंच रहे थे, लेकिन डीपीओ यहां नहीं मिल रहे थे। इसकी शिकायत जब अफसरों तक पहुंची। जिलाधिकारी डॉ.राजा गणपति आर ने डीपीओ की कार्यप्रणाली की जांच सीडीओ जयेंद्र कुमार से कराई। सीडीओ की जांच में डीपीओ अपने घर पर शराब के नशे में पाए गए। डीएम के आदेश पर डीपीओ का मेडिकल चेकअप कराया। जांच में पता चला कि डीपीओ ने शराब पी रखी थी। सीडीओ की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद जिलाधिकारी डॉ.राजा गणपति आर ने शासन को पत्र भेजकर डीपीओ के निलंबन की संस्तुति की, जिसे शासन की ओर से निलंबन का आदेश जारी कर दिया गया।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में जनपद में एक वर्ष के भीतर धर्मेन्द्र कुमार मिश्र दूसरे जिला कार्यक्रम अधिकारी हैं। इससे पहले अक्तूबर 2023 को सेवानिवृत्ति तिथि के एक सप्ताह पहले डीपीओ रही शुभांगी कुलकर्णी भी निलंबित की गई थी। उनके निलंबन के चार माह बाद धर्मेन्द्र मिश्र की तैनाती नए डीपीओ के रूप में हुई थी। बहरहाल अभी किसी डीपीओ की तैनाती नहीं हुई और न ही किसी को अतिरिक्त चार्ज ही दिया गया है। डीएम डॉ. राजा गणपति आर ने बताया, डीपीओ की कार्यशैली व व्यवहार के संबंध में शासन को पत्र भेजा गया था। इस पर शासन ने इन्हें निलंबित कर दिया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सुशीला देवी पत्नी महेश यादव निवासी गंगवार पोस्ट पिरैला गरीब तहसील भानपुर जनपद बस्ती (उ.प्र.) है। कुछ अभिलेखों में त्रुटिवश मेरा नाम उर्मिला देवी हो गया है। दोनों नाम एक ही महिला का है। अब मुझे सुशीला देवी के नाम जाना और पहचाना जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम महेश यादव पुत्र सन्तराम निवासी गंगवार पोस्ट पिरैला गरीब तहसील भानपुर जनपद बस्ती (उ.प्र.) है। कुछ अभिलेखों में त्रुटिवश मेरा नाम राम महेश हो गया है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति का है। अब मुझे महेश यादव के नाम जाना और पहचाना जाय।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन नोटिस सं०- 11/24

पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल ,मण्डल रेल प्रबन्धक (वा०), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है :– **क्र० सं० : 01, लॉट सं० :** PnU-LJN-KLD-Toi-6-22-1 (Pay and Use -Toilets), **कार्य का विवरण** : खलीलाबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं०–1 पर स्थित पे एण्ड यूज शौचालय का ठेका संचालन एवं रखरखाव के आधार पर 03 वर्ष हेतु। ● निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है। आईआरईपीएस पोर्टल पर दिये गये तिथि/ समय के अनुसार सभी लॉट की ई–ऑक्शन प्रारम्भ एवं बंद होंगी। ● सभी लॉट के लिये ई–ऑक्शन दिनांक– 03-01-2025, 15.00 बजे प्रारंभ होकर 03-01-2025, 15.30 बजे बंद होगी। ● इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। ● अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे– डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। ● विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in (E-Auction module)** पर उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), लखनऊ
मुजाधि/वा०–209

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

हल्लौर में फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर लगा, किसान हुए शामिल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के हल्लौर स्थित दरगाह पर शुक्रवार को फॉर्मर रजिस्ट्री की दिशा में कृषि विभाग और राजस्व विभाग द्वारा कैम्प का आयोजन किया गया। दो दर्जन से अधिक किसानों की रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी की। शिविर में कृषि विभाग के तकनीकि सहायक रविन्द्र कुमार द्वारा किसानों से रजिस्ट्री कराने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री के लिए किसानों की आधारकार्ड, आधारसीडेड मोबाइल, खतौनी की आवश्यकता होगी। किसान संबंधित जिम्मेदारों से मिलकर प्रक्रिया पूर्ण करा सकते हैं। इसके साथ ही विभागीय वेबसाइट व मोबाईल एप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करा सकते है। क्षेत्रीय लेखपाल देवेन्द्र कुमार राठौर ने बताया कि भविष्य में केसीसी बनवाने, खाद–बीज, प्राकतिक आपदा व अन्य योजनाओं के लाभ लेने के लिए फॉर्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। इस दौरान खुर्शीद अहमद, आफताब हैदर, मोहम्मद हैदर, जाकिर रजा, सैय्यद अंवर, वजीउलहसन आदि मौजूद रहे

वालीबाल में भैंसा चौबे कबड्डी में शंभूपुर बना विजेता, दौड़ में सत्यम रहे अव्वल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के नेहरु युवा केन्द्र द्वारा आयोजित हर्रैया ब्लॉक के संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय भैंसा चौबे के प्रांगण में चल रहे दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। प्रतियोगिता में वॉलीबॉल में भैंसा चौबे विजेता और शंभूपुर उपविजेता रहा। कबड्डी प्रतियोगिता में शंभूपुर विजेता तथा भैंसा चौबे की टीम उपविजेता रही। 400 मीटर दौड़ में सत्यम प्रथम, फरमान द्वितीय तथा मोहम्मद इरफान तृतीय स्थान पर रहे। साइकिल प्रतियोगिता में मान्य विश्वकर्मा प्रथम जबकि शशि चौधरी द्वितीय स्थान पर रहीं। बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंशिका प्रथम और शशि चौधरी द्वितीय स्थान पर रहीं। कुश्ती में मोहम्मद सफीक विजेता तथा मोनू यादव उपविजेता रहे।नेहरू युवा कल्याण विभाग द्वारा बच्चों में दो सेट वॉलीबाल, दो सेट फुटबॉल, दो सेट बैडमिंटन, दो सेट बैडमिंटन नेट सहित पुरस्कार में सील्ड और खेल संबंधित अन्य सामग्री वितरित किया गया। जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने बताया कि यह खेल प्रतियोगिता आगामी दिनों में जिले के हर ब्लॉक में आयोजित की जाएगी

कार्यक्रम में मुख्य रूप से व्यायाम प्रशिक्षक डॉ अरुण मिश्र, योग प्रशिक्षक परवेज आलम मंसूरी, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक सर्वदेव सिंह, प्रधान प्रतिनिधि रामजनक यादव, प्रशांत सिंह, मोहम्मद सलाम, रामसहाय, अर्जुन प्रसाद, उमेश चंद्र राव, लवकुश, अशोक कुमार पाण्डेय, अकबर अली आदि मौजूद रहे।

तालाब की जमीन अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्य संवाददाता शहीद शिव सिंह क्षेत्री नगर में जंगल तुलसीराम में तालाब की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों को अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह ने सख्त चेतावनी दी। उन्होंने मातहतों को तालाब की जमीन को चिन्हित कर बाउंड्री करने का आदेश दिया है। अपर नगर आयुक्त निरंकार सिंह, शुक्रवार की सुबह वार्ड संख्या 23 शहीद शिव सिंह क्षेत्री नगर पहुंचे। वहां पार्षद चंद्रभान प्रजापति के साथ जंगल तुलसीराम गाटा संख्या 1461 में 1950 वर्ग मीटर में स्थित तालाब का निरीक्षण किया। आसपास काश्तकार जमीन प्लाटिंग कर बिक्री कर रहे हैं। उन्होंने पार्षद की मांग पर जमीन की बाउंड्री कराने के साथ सौंदर्यीकरण कराने का आश्वासन भी दिया। आसपास प्लाटिंग कर रहे लोगों को चेताया कि अतिक्रमण मिला तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उसके बाद अपर नगर आयुक्त वार्ड संख्या 18 गायत्रीनगर पहुंचे। यहां गाटा संख्या 42 और 43 के बीच रास्ते के विवाद का समाधान कराया। यहां पार्षद प्रतिनिधि रामनाथ निषाद भी उपस्थित रहे।

महामानव संत गाडगे की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय संत गाडगे मिशन शाखा सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में डॉ. रमेश चंद की अध्यक्षता में महामानव संत गाड्गे की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि संतजी ने गरीबों, मजलूमों, शोषितों, वंचितों को हमेशा शिक्षा के लिए जगाने व पाखंड से दूर रहने के लिए कहा। उनका मानना था कि घर में थाली न हो तो हाथ पर रखकर खाना खाओ, पुराने कपड़े पहन कर रहो, मांस मदिरा से दूर रहो, पर अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाओ। उन्होंने अनेक विद्यालय, अनाथालय, गोशाला आदि बनवाने का काम किए। मिशन के जिला मंत्री कैलाश पंछी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन राम बहोर कन्नौजिया ने किया। बहरैची प्रसाद प्रेमी समेत राम प्यारे, सीताराम, राम बिलास, संदीप कुमार कन्नौजिया, धर्मेन्द्र कुमार, अनिल कुमार, राधेश्याम, सौरभ वरूण, महेश कनौजिया, अशोक कुमार कनौजिया, संजोग कनौजिया आदि उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 342/2023
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय भानपुर जिला–बस्ती
जयकुमार
बनाम
कौशल किशोर आदि
रामचन्द्र पुत्र सीताराम मिश्र साकिन बंगरिया तप्पा उमरा परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 13 माह 12 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं– 215/2023
मूलवाद सं0– 561/2006
रामउजागिर आदि
बनाम
रामनरेश आदि
1. रामनरेश उम्र लगभग 52 साल पुत्र सीताराम निवासी मौजा बभनगांवा कला तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. बास अली उम्र लगभग 50 साल पुत्र हसनु निवासी मौजा मौलानी खुर्द हिन्दू नगर तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती 3. ग्राम पंचायत बभनगांवा कला द्वारा प्रधान ग्राम बभनगांवा कला तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–01–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 30 माह 01 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बछईपुर विद्यालय पर बाल संसद चुनाव में प्रधानमंत्री पद पर फिजा खातून विजयी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीर नगर (पौली)। पौली ब्लाक के माडल प्राथमिक विद्यालय बछईपुर में बाल संसद चुनाव का आयोजन ईवीएम एप्लिकेशन द्वारा कराया गया। जनपद में पहली बार ईवीएम एप्लिकेशन से चुनाव होने पर प्रधानाध्यापक की जमकर प्रशंसा हो रही है। यह एप्लिकेशन ईवीएम मशीन की ही तरह कार्य करता है। खण्ड शिक्षाधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा के निगरानी में चुनाव शुरु हुआ। राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक विनोद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में विद्यालय पर ईवीएम एप्लिकेशन के द्वारा बाल संसद का चुनाव शुरु हुआ। प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव में फिजा, अनीशा, उजमा और सौम्या ने दावेदारी पेश की। सभी प्रतिभागियों को चुनाव चिह्न प्रदान किया गया और ईवीएम, वीवीपैट का उपयोग एंव मतगणना संबंधी सभी को जानकारी दिया गया। कक्षा 1 से 5 तक के सभी नामांकित 152 बच्चों ने वोट डाला। इसके पश्चात मतगणना शुरु किया। जिसमें फिजा खातून को 23 मतों से प्रधानमंत्री पद के लिए विजयी घोषित कर प्रमाण पत्र सौपा गया। इनके कैबिनेट में कुल 28 मंत्री पद बच्चों को दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी पौली अर्जुन प्रसाद वर्मा ने सभी चयनित छात्र छात्राओं को पद व गोपनियता का शपथ दिलाया और अपने कर्तव्यों का पालन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्हें लोकतंत्र के हर पहलू का ज्ञान होना चाहिए। उन्होंने उक्त कार्यक्रम के लिए विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक प्रधानाध्यापक विनोद पांडेय ने आए हुए अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए बच्चों को बधाई दी। कार्यक्रम में एआरपी राजेंद्र प्रसाद यादव, हरिराम यादव, राजेश गुप्ता, दिलीप कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि महेंद्र यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राम वृक्ष कन्नौजिया, शिक्षक ऋषि शंकर यादव, देवी चरन, सुमित्रा, सूरज कन्नौजिया, प्रेमा देवी, माधुरी, पुष्पा, भगेलू, राम उजागिर सहित तमाम अभिभावक व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद उ.प्र. हाई स्कूल वर्ष **2024** अनुक्रमांक **1242610012** का अंक पत्र एवं सह अंक पत्र (मूल प्रमाण–पत्र) वास्तव में खो गया है।

(अंशिका चौधरी)
पुत्री श्री प्रेमचन्द्र चौधरी
ग्राम– मड़वानगर
पोस्ट–गांधीनगर
जनपद– बस्ती (उ.प्र.)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम दीपक यादव पुत्र श्री साधूशरन यादव निवासी ग्राम– छतियारी पोस्ट– बढयापार जिला– गोरखपुर का निवासी हूं। मेरे पासपोर्ट में त्रुटिबश मेरा नाम यादव दीपक कुमार हो गया है जो गलत है। उसे दीपक यादव किया जाय। मेरे आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम दीपक यादव है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 02/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामयज्ञ
बनाम
चन्द्रमती देवी
चन्द्रमती देवी पत्नी रामललित निवासी बगही उर्फ बेनीपुर तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0–1378/2022
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय भानपुर जिला–बस्ती
श्रीमती सुमन देवी
बनाम
नन्दलाल आदि
1. नन्दलाल उम्र 42 वर्ष 2. गिरधारी उम्र 40 वर्ष पुत्रगण रामदास बैलौहर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 13–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0–221/2002
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सूरजलाल
बनाम
हृदयनरायन आदि
2/2 सक्षम उर्फ चीनू 2/3 सदाविंद उर्फ नीव पुत्रगण संदीप जैसवाल निवासीगण पाण्डेय बाजार तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 02–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0–435/2021
न्यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय भानपुर जिला–बस्ती
त्रिलोकीनाथ
बनाम
शिव नरायन आदि
1. कन्हैया लाल पुत्र शिवनरायन 2. हेमलता पत्नी बृजलाल 3. प्रशांत जायसवाल 4. आदर्श जायसवाल 5. आयुष जायसवाल पुत्रगण बृजलाल 6. देवनरायन पुत्र बालेदीन 7. बजरंगी लाल पुत्र देवनरायन 8. सावित्री देवी पुत्री जगदम्बा प्रसाद 9. कुमारी देवी पत्नी रूपनरायन 10. चन्द्रिका प्रसाद 11. अम्बिका प्रसाद 12. अमित पुत्रगण रूपनरायन 13. छबिलाल पुत्र साहेबदीन 14. इन्द्रावती देवी पत्नी रामनरायन समस्त निवासीगण ग्राम असनहरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 15. प्रभारी अधिकारी पुलिस चौकी असनहरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 16. पुलिस अधीक्षक बस्ती जनपद बस्ती 17. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर बस्ती 18. अधिशाषी अभियंता नलकूप विभाग बस्ती 19. मेहीलाल आदर्श इण्टर कालेज असनहरा द्वारा प्रबन्धक मेहीलाल आदर्श इण्टर कालेज असनहरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com